

21/7/22

परातली वेवा दुर्ग। तदी वकील उप०।
 वादी वकील जे अत वाद मे No प्रम.
 विधा विता वाद जो अजे - गलना लकी
 - गदने ही अतः वादी के वाद की कार्यवाही
 वही नर पर नमाय की जाती है।

परातली कौमल शुभार लोक नकील
 नगर जो। धरंया मे काम हो।

No 21/7/22

21/7/22

